

इंग्लैंड की महिला टीम ने न्यूजीलैंड को हराया

अंग्रेज महिला खिलाड़ी ऐमी जॉंस को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया

विशाखापत्तनम, 26 अक्टूबर
गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद ऐमी जॉंस (नाबाद 86), और टैमी ब्यूमोंट (40) की शानदार पारियों के दम पर इंग्लैंड ने रविवार को महिला विश्वकप के 27वें मुक़ाबले में न्यूजीलैंड को 124 गेंद शेष रहते आठ विकेट से हरा दिया।

न्यूजीलैंड के 168 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड के लिए ऐमी जॉंस और टैमी ब्यूमोंट की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत

करते हुए पहले विकेट के लिए 75 रन जोड़े। 15वें ओवर में लिया तहहू ने टैमी ब्यूमोंट को पगबाधा कर इस साझेदारी को तोड़ा। ब्यूमोंट ने 38 गेंदों में सात चौके लगाकर 40 रन बनाये।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी हीथर नाइट ने ऐमी जॉंस के साथ पारी को संभाला और तेजी के साथ रन बटोरें। 28वें ओवर की पहली गेंद पर सोफी डिवाइन ने हीथर नाइट को पगबाधा आउट कर हार की दहलीज पर खड़ी न्यूजीलैंड को

दूसरी सफलता दिलाई। हीथर नाइट ने 40 गेंदों में दो चौके और एक छक्का लगाते हुए 33 रन बनाये। सेमीफाइनल में पहले ही जगह बना चुके इंग्लैंड ने 29.2 ओवर में दो विकेट पर 172 रन बनाकर मुक़ाबला आठ विकेट से जीत लिया। ऐमी जॉंस ने 92 गेंदों में 11 चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 86 रन बनाये। जॉंस को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

न्यूजीलैंड की ओर से सोफी डिवाइन और लिया तहहू ने एक-एक

इससे पहले आज यहां न्यूजीलैंड की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड, इंग्लैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे अधिक देर तक नहीं टिक पायी और 38.2 ओवर में 168 के स्कोर पर सिमट गई। न्यूजीलैंड के लिए जॉर्जिया प्लिम्र ने सर्वाधिक 43 रनों की पारी खेली। एमेलिया केर ने (35), कसान सोफी डिवाइन (23), मैडी ग्रीन (18), इसाबेला गेज (14), सुजी बेट्स और जस केर ने 10-10 रनों का योगदान दिया। इंग्लैंड के लिए लिसे सिम्थ ने तीन विकेट लिये। नेट शिवर ब्रंट और ऐलिस कैप्पी को दो-दो विकेट मिले। सोफी एबलस्टोन और शार्लेट डीन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

सोफी डिवाइन को दी विदाई

विशाखापत्तनम, 26 अक्टूबर. महिला क्रिकेट के इतिहास में दर्ज हो जाने वाले इस दिन, एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम न केवल इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच मुक़ाबले का, बल्कि इस खेल की सबसे अदम्य हस्तियों में से एक सोफी डिवाइन की मार्मिक विदाई का भी गवाह बना। न्यूजीलैंड के राष्ट्रगान की धुनें गुंजने लगीं, तो डिवाइन की आँखों में लगभग दो दशकों के क्रिकेट के संघर्ष और विजय का भाव झलक रहा था। कुछ आँसु थे, हालाँकि उम्मीद के मुताबिक नहीं, लेकिन एक करियर के अंत की मार्मिकता को बर्दाश्त करने के लिए पर्याप्त थे। प्रशंसकों की गर्जना सम्मान में दब गई, और खेल एक ऐसे पल के लिए रुक गया जो किसी भी स्कोरकार्ड से बड़ा था। यह एक युग का अंत था। अपनी सबसे करीबी साथियों, सुजी बेट्स और ली ताहू के साथ मैदान साझा करने से भावनाओं में और भी निखार आया। डिवाइन, जिन्होंने वर्षों तक इन साथियों के साथ गेंदबाजी और बल्लेबाजी की थी, ने हर पल का भरपूर आनंद लिया। हँसी थी, कुछ व्यंग्यात्मक मुस्कानें थीं, और यह



अनकहा एहसास था कि यह वनडे में उनका आखिरी अध्याय था। अनगिनत लड़ाइयों और साझा जीतों पर आधारित यह सौहार्द किसी भी मैच-जिताऊ पारी से कहीं ज्यादा चमकीला था। अपने करियर पर विचार करते हुए, डिवाइन की आवाज में विनम्रता और गर्व दोनों झलक रहे थे।

शाइना और दीक्षा ने रचा इतिहास

भारत ने एशियाई चैंपियनशिप में झटके दो स्वर्ण पदक

चेंगदू, 26 अक्टूबर. भारत की युवा शटलरों ने बैडमिंटन एशिया अंडर-17 और अंडर-15 चैंपियनशिप 2025 में इतिहास रच दिया। रविवार को चेंगदू में खेले गए फाइनल मुक़ाबलों में शाइना मणिमुथु और दीक्षा सुधाकर ने स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया।

शाइना ने अंडर-15 बालिका एकल वर्ग के फाइनल में जापान की चिहारा तोमिता को 21-14,

भारत के युवा शटलरों का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन: 2 स्वर्ण, 1 रजत, 2 कांस्य पदक

शाइना मणिमुथु: अंडर-15 वर्ग की चैंपियन, जापान की तोमिता को हराया

दीक्षा सुधाकर: अंडर-17 वर्ग में स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय बालिका खिलाड़ी



रविवार को बैडमिंटन एशिया अंडर-17 और अंडर-15 चैंपियनशिप 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीते। यह पहली बार है जब भारत ने इन दोनों आयु वर्गों में एक साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किए हैं। अंडर-15 बालिका एकल वर्ग के फाइनल में शाइना ने जापान की चिहारा तोमिता को 21-14, 22-20 से हराया। मैच के पहले गेम में उन्होंने शुरू से ही बहुत बनाई और दूसरे गेम में कड़ा मुक़ाबला होने के बावजूद 44 मिनट में जीत दर्ज की। वह अंडर-15 वर्ग में खिताब

जीतने वाली चौथी भारतीय बालिका खिलाड़ी बनीं। इसके बाद अंडर-17 वर्ग के अखिल भारतीय फाइनल में दीक्षा सुधाकर ने अपने हमवतन लक्ष्य राजेश को 27 मिनट में 21-16, 21-9 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। दीक्षा इस वर्ग में स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय

बालिका एकल खिलाड़ी बनीं। इससे पहले शनिवार को भारत ने दो कांस्य पदक भी हासिल किए — जगशेर सिंह खंगगुरा और जंगजीत सिंह काजला की पुरुष युगल जोड़ी तथा जर्निका रमेश की मिश्रित युगल टीम ने सेमीफाइनल तक पहुंचकर यह उपलब्धि दर्ज की।

भारत ने कुल दो स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक के साथ टूर्नामेंट का शानदार समापन किया। यह प्रदर्शन 2013 के बाद का भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन माना जा रहा है, जब सिरित वर्मा और विराम शेट्टी की अगुवाई में भारत ने दो स्वर्ण पदक जीते थे।

भारतीय बेटियों की कुशती में धूम

हंशिका लांबा और सारिका ने जीते रजत पदक

नयी दिल्ली, 26 अक्टूबर. — भारतीय महिला पहलवानों ने

भारतीय महिला टीम बनी विश्व चैंपियन

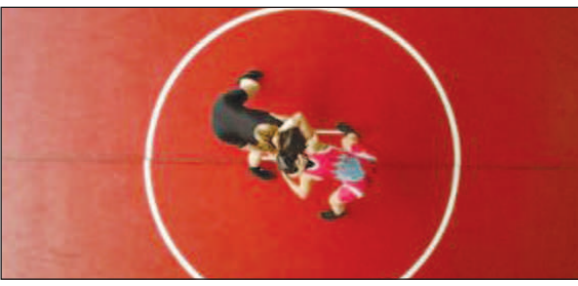
हंशिका (53 किग्रा) और सारिका (59 किग्रा): दोनों ने जीते रजत पदक

कांस्य पदक: निशु, नेहा शर्मा, पुलकित, सुष्टि और प्रिया ने दिलाया सम्मान

सर्बिया के नोवी साद में चल रही अंडर-23 सीनियर विश्व

कुशती चैंपियनशिप में देश को गौरवान्वित करते हुए टीम चैंपियनशिप का खिताब जीत लिया है। भारत ने कुल 125 अंकों के साथ पहला स्थान हासिल किया, जबकि अमेरिका (102 अंक) और जापान (92 अंक) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

भारत की हंशिका लांबा (53 किग्रा) और सारिका (59 किग्रा) ने अपने-अपने भार वर्गों में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल तक का सफर तय किया। हालाँकि, दोनों को फाइनल मुक़ाबले में जापानी पहलवानों से



हार का सामना करना पड़ा और वे रजत पदक से संतुष्ट रहें। इसके अलावा, भारतीय टीम ने पाँच कांस्य पदक भी जीते — निशु (55 किग्रा), नेहा शर्मा (57 किग्रा), पुलकित (65 किग्रा), सुष्टि (68 किग्रा) और प्रिया (76

किग्रा)। इन उपलब्धियों ने भारत को अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंचा दिया और टीम को चैंपियनशिप ट्रॉफी दिलाई। यह उपलब्धि भारतीय महिला कुशती के लिए एक मील का पत्थर साबित हुई है।

बड़े होकर प्रकृतिवादी बनना चाहती हैं जीवा धोनी

नई दिल्ली 26 अक्टूबर. क्रिकेट जगत में कई ऐसे खिलाड़ी हैं, जिनके बचपने आगे चलकर क्रिकेटर ही बनना चाहते हैं. भारतीय क्रिकेट में ही ऐसे कई उदाहरण देखने को मिले हैं. सुनील गावस्कर के बेटे रोहन गावस्कर भी क्रिकेट खेल चुके हैं. सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर आईपीएल में कदम रख चुके हैं. वहीं अब वीरेंद्र सहवाग का बेटा आर्यवीर सहवाग भी क्रिकेट में ही अपना पयूचर बनाना चाहता है. लेकिन भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की बेटी जीवा बड़े होकर प्रकृतिवादी बनना चाहती हैं. ये

वे लोग होते हैं, जो पर्यावरण और उससे जुड़ी चीजों का ख्याल रखते हैं. एमएस धोनी की बेटी जीवा धोनी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है.



रणजी में दिल्ली का धमाल

हिमाचल के 165 रन पर झटके तीन विकेट

नयी दिल्ली, 26 अक्टूबर. अर्पित राणा, सनत सांगवान, यश दुल, आयुष दोसेजा, सुमित माथुर और अनुज रावत की अर्धशतकीय पारियों के दम पर दिल्ली ने रणजी ट्रॉफी दूसरे के दौर के मुक़ाबले के दूसरे दिन रविवार को 430 रनों का विशाल स्कोर खड़ा करने के बाद स्टंप के समय हिमाचल प्रदेश के 165 के स्कोर पर तीन विकेट झटक कर मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है।

दिल्ली ने कल के चार विकेट पर 306 रनों से आगे खेलना शुरू किया। दिल्ली ने आज 124 रन जोड़ कर अपने छह विकेट गंवा दिये। दिल्ली का पांचवां विकेट आयुष दोसेजा (75) के रूप में गिरा। उसके बाद सुमित माथुर 51 रन बनाकर आउट हुये। सिद्धांत शर्मा (17), नवदीप सैनी (शून्य), अनुज रावत (57) और रौनक वाघेल चार रन बनाकर आउट हुये। हिमाचल प्रदेश के लिए वैभव अरोड़ा और अर्पित गुलेरिया ने चार-चार विकेट लिये। दिवेश शर्मा को दो

विकेट मिले। इसके बाद बल्लेबाजों करने उतरी हिमाचल प्रदेश के लिए सिद्धांत पुरोहित और कप्तान अंकुश बैस की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 86 रन जोड़े। 26वें ओवर में सुमित माथुर ने अंकुश बैस (43) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। अंकित कल्सी (20) को नवदीप

दिल्ली की पारी 430 रन पर समाप्त

सैनी ने आउट किया। हिमाचल प्रदेश का तीसरा विकेट 51वें ओवर में सिद्धांत पुरोहित (70) के रूप में गिरा। उन्हें नवदीप सैनी आउट किया।

स्टंप के समय हिमाचल प्रदेश ने तीन विकेट पर 165 रन बना लिये हैं। पुखराज मान (नाबाद 17) और एकांत सेन (नाबाद चार) क्रीज पर मौजूद थे। दिल्ली के लिए नवदीप सैनी ने दो विकेट लिये। सुमित माथुर ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

लिटन दास बन सकते हैं बांग्लादेश टीम के कप्तान

नजमुल हुसैन शान्तो के पद छोड़ने के बाद दौड़ में सबसे आगे

ढाका, 26 अक्टूबर. बांग्लादेश के टी20 कप्तान लिटन कुमार दास ने रविवार को कहा कि अगर उन्हें टेस्ट कप्तानी की पेशकश की जाती है, तो वह इसे संभालने के लिए तैयार हैं। जुलाई में श्रीलंका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के बाद नजमुल हुसैन शान्तो के पद छोड़ने के बाद यह पद खाली होने पर बांग्लादेश वर्तमान में एक नए टेस्ट कप्तान की तलाश में है।

क्रिकबज ने पहले बताया था कि लिटन, नजमुल की जगह लेने की दौड़ में सबसे आगे हैं, क्योंकि शेर-ए-बांग्ला राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के बाद जब बीसीबी ने उनसे दोबारा पूछा तो उन्होंने अपने फैसले पर



पुनर्विचार करने से इनकार कर दिया था। लिटन ने जोर देकर कहा कि टेस्ट कप्तानी के लिए बीसीबी ने अभी तक उनसे संपर्क नहीं किया है और संकेत दिया कि वह इस भूमिका को निभाने के लिए तैयार हैं। बीसीबी के पास अपने टेस्ट कप्तान की घोषणा करने के लिए बहुत कम

समय है क्योंकि उन्हें 11 नवंबर से सिलहट में शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए आयरलैंड की मेजबानी करनी है। लिटन ने कहा, यह बहुत मुश्किल है। अभी तक, मुझे इसके बारे में कुछ नहीं पता। अगर उन्हें लगता है कि मैं सक्षम हूँ, तो जाहिर है वे मुझसे बात करेंगे। देखते हैं उनका क्या फैसला होता है। उन्होंने आगे कहा, एक खिलाड़ी के तौर पर, टेस्ट टीम की कप्तानी करना एक बड़ी उपलब्धि है। मुझे यकीन है कि कोई भी खिलाड़ी इसके लिए मना नहीं करेगा। लेकिन अभी तक, मुझे क्रिकेट बोर्ड से कोई जवाब नहीं मिला है।

लिटन ने इससे पहले 2023 में अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में बांग्लादेश की कप्तानी की थीं।

45वां संस्करण खेल मंत्रालय द्वारा साइकिलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया, योगासन भारत और माई भारत के सहयोग से शुरू की गई पहल

फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल में शामिल हुई विश्व बाक्सिंग चैंपियन मीनाक्षी हुड्डा

नयी दिल्ली, 26 अक्टूबर. विश्व बाक्सिंग चैंपियन मीनाक्षी हुड्डा रविवार सुबह मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में सैकड़ों साइकिल चलाए वालों, फिटनेस के शौकीनों और परिवारों के साथ 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' में शामिल हुईं।

'खेल मंत्रालय द्वारा साइकिलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया, योगासन भारत और माई भारत के सहयोग से शुरू की गई यह पहल फिट इंडिया सूचमूद के तहत एक प्रमुख मासदायिक फिटनेस अभियान बन गई है। यह 'आधा घंटा रोज - फिटनेस का डोज'



की भावना को दर्शाता है। यहां फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल के 45 वें संस्करण में शामिल होने पहुंची मीनाक्षी हुड्डा ने कहा, आज

इस मुहिम में शामिल होकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। जिस तरह मैं बाक्सिंग के जरिए अपनी फिटनेस बनाए रखती हूँ, उसी तरह हर महिला, खासकर गृहिणियों और लड़कियों के लिए जो शायद खेल नहीं खेलतीं, फिट रहना उतना ही जरूरी है। वे

इस अवसर पर फिटस्पायर की को-फाउंडर हिना साहनी ने कहा, फिटस्पायर को फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल के साथ पार्टनर बनकर गर्व है। यह केवल एक्सरसाइज के बारे में नहीं है, यह एक साझा अभियान है जो वेलनेस, अनुशासन और एकजुटता का जश्न मनाता है। हर पैदल और हर सौच-समझकर किया गया काम हमें एक मजबूत और ज्यादा प्रेरित भारत के करीब लाता है।

अक्सर अपनी रोजाना की दिनचर्या में इतनी व्यस्त हो जाती हैं कि वे खुद को भूल जाती हैं। यह आंदोलन सभी को याद दिलाता है कि फिटनेस आसान, आनंददायक और सभी के लिए हो सकती है देश भर में चल रहे फेस्टिव सीजन को देखते हुए,

पिछले हफ्ते संडेज ऑन साइकिल का आयोजन एक अनोखे साइकिल फॉर्म होम फॉर्मेट में किया गया, जिसमें नागरिकों को अपने घरों, आस-पड़ोस और स्थानीय गलियों से इस आंदोलन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया।